vinetur

पिछले वर्ष गैर-EU बाजारों से यूरोपीय संघ के वाइन निर्यात की कमाई 6.8% घटी

निर्यात मात्रा 3.3% घटकर 27.5 मिलियन हेक्टोलिटर रही ; बोतलबंद और स्पार्कलिंग वाइन से मिलने वाला प्रतिफल कमजोर पड़ा

सोमवार, 16 नवंबर 2026



13 नवंबर को ब्रुसेल्स में Copa-Cogeca की वाइन बैठक में पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार, यूरोपीय संघ से बाहर के बाजारों में यूरोपीय वाइन निर्यात से कम कमाई हुई, जबकि बिक्री की मात्रा में गिरावट अपेक्षाकृत कम रही। ये आंकड़े बीते वर्ष के दौरान क्षेत्र को मिले कमजोर प्रतिफल को रेखांकित करते हैं।

सितंबर 2025 से अगस्त 2026 तक तीसरे देशों को यूरोपीय संघ का वाइन निर्यात 15.4 अरब यूरो का रहा, जो पिछली 12-महीने की अवधि के मुकाबले 6.8% कम है। इस दौरान निर्यात की मात्रा 3.3% घटकर 27.5 मिलियन हेक्टोलिटर रह गई। इन आंकड़ों में यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के बीच का व्यापार शामिल नहीं है। इनमें वाइन निर्यात को मूल्य, मात्रा और औसत निर्यात मूल्य के आधार पर मापा गया है।

निर्यात राजस्व में गिरावट और वास्तविक मात्रा में गिरावट के बीच बड़ा अंतर बताता है कि बेची गई हर इकाई से क्षेत्र को कम कमाई हुई। प्रकाशित कुल आंकड़ों के आधार पर औसत निर्यात मूल्य लगभग 5.60 यूरो प्रति लीटर रहा, जो पिछली अवधि से करीब 3.62% की अनुमानित गिरावट है। हालांकि, यह औसत अपने आप में पूरे बाजार में कीमतों में सीधी कटौती का प्रमाण नहीं है, क्योंकि इस पर उत्पादों के मिश्रण, पैकेजिंग और गंतव्य बाजारों में बदलाव का भी असर पड़ता है।

इन आंकड़ों पर ऐसे समय चर्चा हुई जब यूरोपीय वाइन उत्पादक आपूर्ति और मांग, दोनों ओर से दबाव का सामना कर रहे हैं। Copa-Cogeca और Legacoop Agroalimentare ने कहा कि 2026 की फसल एक और मुश्किल वर्ष का संकेत देती है। कई देशों में चरम मौसम ने अंगूर के बागों को प्रभावित किया है और कई पारंपरिक बाजारों में वाइन की खपत लगातार कमजोर हो रही है।

यूरोपीय संघ के कुछ सबसे बड़े गंतव्य बाजारों में निर्यात की सुस्ती खास तौर पर दिखी। अगस्त 2026 तक के 12 महीनों में अमेरिका को बिक्री मूल्य के आधार पर 15.3% घटी। कनाडा को निर्यात 11%, स्विट्जरलैंड को 9.2% और यूनाइटेड किंगडम को 3.9% कम हुआ। इसके उलट, दो बाजारों में बढ़ोतरी दर्ज की गई : रूस को निर्यात 17.5% और हांगकांग को खेप 10.9% बढ़ी।

उत्पाद के स्वरूप के लिहाज से केवल बल्क वाइन और बैग-इन-बॉक्स वाइन के निर्यात में बढ़ोतरी हुई। बल्क वाइन का निर्यात 5% और बैग-इन-बॉक्स का 3.4% बढ़ा। बोतलबंद वाइन का निर्यात 7.5% घटा, जबकि स्पार्कलिंग वाइन में 6.2% की गिरावट आई। यह उन अधिक मूल्य वाले वर्गों की कमजोरी का संकेत है जो आमतौर पर निर्यात से होने वाली कमाई को सहारा देते हैं।

निर्यात के आंकड़ों के साथ 2026/27 के यूरोपीय संघ के वाइन और अंगूर के मस्ट विपणन वर्ष के शुरुआती अनुमान भी पेश किए गए। यूरोपीय संघ में उत्पादन पिछली फसल से 4% घटने और पांच साल के औसत से करीब 8% नीचे रहने की उम्मीद है। इटली, स्पेन और फ्रांस अब भी संघ के सबसे बड़े उत्पादक हैं और कुल मिलाकर यूरोपीय संघ के कुल उत्पादन का करीब 82% हिस्सा इन्हीं का है। हालांकि, तीनों देशों के बाजार मौसम संबंधी व्यवधानों और कमजोर मांग से जूझ रहे हैं।

संगठनों के अनुसार, सूखे, लू, वसंत ऋतु के पाले और ओलावृष्टि से कई अंगूर उत्पादक क्षेत्रों में पैदावार घटी। उत्पादन पर यह दबाव ऐसे समय आया है जब खपत और कीमतें कमजोर हैं तथा भंडार अब भी ऊंचे स्तर पर हैं। इन परिस्थितियों में व्यापार के जरिए उत्पादकों के लिए अपना मार्जिन वापस हासिल करना और कठिन हो गया है।

बैठक में उद्धृत आंकड़ों के अनुसार, वैश्विक वाइन खपत 221 मिलियन हेक्टोलिटर रहने का अनुमान है, जो 30 से अधिक वर्षों का सबसे निचला स्तर है। वैश्विक वाइन खपत में यूरोपीय संघ की हिस्सेदारी भी घटी है : 2000 में यह लगभग 60% थी, जो अब 48% रह गई है। बताया गया कि रेड और रोज़े वाइन के साथ-साथ साधारण टेबल वाइन पर सबसे अधिक दबाव है।

अनुमान है कि इटली दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक बना रहेगा और 2026 में वहां उत्पादन 41.1 मिलियन हेक्टोलिटर होगा। हालांकि, यह 2025 से 7.6% कम और पांच साल के औसत से करीब 10% नीचे होगा। दक्षिणी क्षेत्रों पर सूखे और गर्मी का सबसे ज्यादा असर पड़ा है। सबसे तेज गिरावट की खबर देने वाले क्षेत्रों में सिसिली और अब्रूज़ो शामिल हैं।

स्पेन में उत्पादन 3% बढ़कर 34.5 मिलियन हेक्टोलिटर रहने का अनुमान है, हालांकि कम कीमतों के चलते अंगूर के बागों की लाभप्रदता पर दबाव बना हुआ है। फ्रांस में उत्पादन 33.8 मिलियन हेक्टोलिटर रहने की उम्मीद है, जो 2% कम और पांच साल के औसत से करीब 15% नीचे है। बदलते बाजार हालात के अनुरूप ढलने के लिए फ्रांस बेलें उखाड़ने का एक व्यापक कार्यक्रम भी आगे बढ़ा रहा है।

Legacoop Agroalimentare ने बताया कि उसके प्रतिनिधियों ने ब्रुसेल्स की बैठक में हिस्सा लिया। इनमें अध्यक्ष

Cristian Maretti और वाइन क्षेत्र की प्रमुख Valentina Sourin शामिल थे। यूरोपीय संस्थानों के साथ चर्चा में साझा कृषि नीति का भविष्य, क्षेत्र के बजट, सह-वित्तपोषण के नियम, पात्र लाभार्थी और स्वाभाविक रूप से कम अल्कोहल वाली वाइन का विकास भी शामिल था।

समूहों ने कहा कि राष्ट्रीय सांख्यिकी प्राधिकरणों के आधिकारिक आंकड़े जारी होने के साथ उत्पादन के अनुमान अभी बदल सकते हैं। फिर भी, मौजूदा तस्वीर ऐसे वाइन क्षेत्र की है जहां उत्पादन घट रहा है, फसलें अधिक अनिश्चित हो रही हैं और प्रमुख निर्यात बाजारों से कम कमाई हो रही है। पारंपरिक गंतव्य बाजार कमजोर पड़ रहे हैं, जबकि नए बाजारों में बढ़त अब तक अन्य जगहों के नुकसान की भरपाई के लिए पर्याप्त नहीं रही है।

ब्रुसेल्स की बैठक में Copa-Cogeca के वाइन कार्यसमूह के अध्यक्ष Luca Rigotti ने कहा कि क्षेत्र को नवाचार, टिकाऊपन और गुणवत्ता में अधिक निवेश की जरूरत है। साथ ही, उत्पादों की व्यापक पेशकश, नए निर्यात बाजार और युवा उपभोक्ताओं को वाइन से फिर जोड़ने के अधिक मजबूत प्रयास भी जरूरी हैं। संगठनों के अनुसार, ब्रुसेल्स में नीतिगत चर्चा का एक अहम मुद्दा यह होगा कि क्या उत्पादकों के पास बदलती जलवायु और व्यापार परिस्थितियों के अनुरूप ढलने के लिए पर्याप्त बाजार-प्रबंधन साधन और सहायता उपलब्ध हैं।